ग्रंथालय में होगा 'भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र'

विमर्श ● विश्वविद्यालय में केंद्रीय ग्रंथालय सलाहकार समिति की बैठक में निर्णय

नईदुनिया प्रतिनिधि, जबलपुरः रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के केंद्रीय ग्रंथालय में भारतीय ज्ञान परंपरा का केंद्र बनाया जाएगा। यहां पर विद्यार्थी और शिक्षक दोनों आकर भारतीय परंपरा से जुड़ी पुस्तकों का अध्ययन कर पाएंगे। यह निर्णय केंद्रीय ग्रंथालय सलाहकार समिति की बैठक में लिया गया। कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा की अध्यक्षता में बैठक हुई। कुलगुरु ने इस दौरान कहा कि भारत सर्वसंपन्न, सर्वज्ञानी और समृद्ध देश रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के लागू होने से शिक्षा में भारतीय दर्शन और चिंतन पुनः जीवंत हो रहा है। इसी के परिप्रेक्ष्य में क्रियान्वयन, शिक्षा में भारतीय ज्ञान परंपरा के समावेश के बिना अपूर्ण रहेगा। भारत के पुरातन ज्ञान को नूतन संदर्भ में शिक्षा में समाहित करने की आवश्यकता है। इसके लिए हमें ज्ञान एवं इतिहास पर गर्व करने की परंपरा विकसित करनी होगी। इन्हीं बातों को दृष्टिगत रखते हुए विश्वविद्यालय के केंद्रीय ग्रंथालय में 'भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र' बनाया जाएगा।

केंद्रीय ग्रंथालय सभागार में चर्चा करते कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा व अन्य। ● सौजन्य राहुवि

विवि के केंद्रीय ग्रंथालय सभागार में कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा की अध्यक्षता एवं कुलसचिव डा. आरके बघेल, प्रधानमंत्री कालेज आफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. अल्केश चतुर्वेदी की मौजूदगी में आयोजित बैठक में निर्णय लिया गया कि केन्द्रीय ग्रंथालय में भारतीय ज्ञान परंपरा कक्ष भी स्थापित किया जाएगा। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा को ध्यान में रखते हुए को योजनाबद्ध तरीके भारतीय ज्ञान परंपरा के अनुसार शिक्षण प्रणाली के विकास के लिए भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित पुस्तकें क्रय की जाएंगी।

कुलगुरु प्रो. वर्मा ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण : रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय की स्नातकोत्तर परीक्षा का जायजा लेने कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा केंद्रों में पहुंचे। परीक्षा केंद्र नवयुग कालेज में उन्होंने अपने सामने पेपर खुलवाकर परीक्षार्थियों को बंटवाया। इसके बाद व्यवस्थाओं का मुआयना किया। केशरवानी महाविद्यालय का भी निरीक्षण किया। कुलगुरु प्रो. वर्मा ने महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. आशुतोष दुबे एवं डा. ध्रुव दीक्षित से परीक्षा संचालन की जानकारी प्राप्त की और व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया।

खरीदी जाएंगी ई-बुक

बैठक में निर्देश दिए गए कि पीएचडी नोटिफिकेशन जारी होने के तत्काल बाद यूजीसी नियमानुसार शोधगंगा पोर्टल पर थीसिस अपलोड किया जाना सुनिश्चित किया जाए। इसी के साथ विश्वविद्यालय शिक्षण विभागों से पुस्तकों के क्रय हेतु प्राप्त प्रस्ताव पर चर्चा, ई-संसाधनों की बढ़ती लोकप्रियता को दृष्टिगत ई-बुक क्रय किए जाने पर विचार किया गया। बैठक में प्रो. राकेश बाजपेई, प्रो. ममता राव, प्रो. विवेक मिश्रा, डा. जेके मैत्रा, केंद्रीय ग्रंथालय प्रभारी प्रो. धीरेन्द्र पाठक, डा. सत्यप्रकाश त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।